

VII. समष्टि आर्थिक संभावना

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एजेसियों के पूर्वानुमान 2009 के दौरान वैश्विक मंदीकारी दशाओं के जारी रहने की ओर को संकेत करते हैं, यद्यपि वैश्विक आर्थिक सुधार के कुछ संकेत, अलबत्ता प्रायोगिक, दिख रहे हैं। आईएमएफ ने 8 जुलाई 2009 से भारत के लिए वृद्धि अनुमानों को पूर्व के 4.5 प्रतिशत से 2009 में 5.4 प्रतिशत संशोधित किया है। आर्थिक गतिविधियों के विभिन्न सर्वेक्षण आगामी महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावना के लिए उत्साहजनक भाव के धीरे-धीरे वापस आने की ओर संकेत करते हैं। अल्पकालिक वृद्धि संभावना के लिए उर्ध्वमुखी आशाओं के साथ-साथ निम्नमुखी संभावनाएं दृष्टिगोचर हो रही हैं। आ रही प्रमुख सूचनाएं मुद्रास्फीति के बढ़ने की ओर संकेत करती हैं, फिर भी कुछ संभावित गतिविधियां मुद्रास्फीतिकारी दबावों को कम करने में मदद कर सकती हैं।

VII.1 विभिन्न कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षणों पर आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था की समष्टि आर्थिक संभावना से संकेत मिलता है कि समग्र कारोबार भाव में पूर्व गिरावट की स्थिति उलट गयी है जिससे धीरे-धीरे आशावाद की स्थिति आ रही है। रिज़र्व बैंक के औद्योगिक सर्वेक्षण से 2009-10 की पहली दो तिमाहियों में भारी सुधार आने का पता चलता है। जून 2009 में रिज़र्व बैंक द्वारा किये गये पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण से भी 2009-10 के माध्यम जीडीपी वृद्धि अनुमान में उर्ध्वगामी स्थिति का पता लगता है।

कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

VII.2 एनसीएईआर (68वां दौर) का कारोबार विश्वास सूचकांक (बीसीआइ) जनवरी 2009 के 91.4

से घटकर अप्रैल 2009 में 81.6 हो गया है। बीसीआइ में जनवरी 2009 के स्तर की तुलना में अप्रैल में 9.8 अंक अथवा 10.7 प्रतिशत की कमी आई (सारणी 56)। यह कमी तीन घटक सूचकांकों में दर्ज की गयी अर्थात् 'अगले छः महीनों के समग्र आर्थिक दशाओं संबंधी सूचकांक', 'पिछले छः महीनों की तुलना में अब अर्थव्यवस्था में निवेश वातावरण' और 'अगले छः महीनों में फर्म की वित्तीय स्थिति संबंधी प्रत्याशाएं'। इस अवधि के दौरान 'अनुकूलतम परिचालनों के सापेक्ष में फर्म की क्षमता उपयोग की वर्तमान स्थिति' अपरिवर्तित बनी रही।

VII.3 अप्रैल-सितंबर 2009 को 58.7 का कारोबार विश्वास सूचकांक (सीआइआइ -बीसीआइ) पिछले दौर (अर्थात् अक्टूबर-मार्च 2008-09) की तुलना में 4.3 प्रतिशत बढ़ा, जो आगामी कारोबार विश्वास में सुधार दर्शाता है। फिर भी, कारोबार विश्वास पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि की तुलना में अप्रैल-सितंबर 2009 में 3.8 प्रतिशत कम हुआ। जुलाई-सितंबर 2009 के लिए डन और ब्रैडस्ट्रीट कारोबार आदर्शतम सूचकांक काफी अधिक अर्थात् 40.8 प्रतिशत बढ़कर 132.1 हो गया जो अप्रैल-जून 2009 के 93.8 के सर्वाधिक कम स्तर पर था। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में अप्रैल-जून 2009 में 39.0 प्रतिशत की गिरावट की तुलना में और पिछले वर्ष की तदनु रूप तिमाही की तुलना में 3.3

प्रतिशत की मामूली गिरावट हुई। छः आदर्शतम सूचकांकों अर्थात् बिक्री की मात्रा, निवल लाभ, नये ऑर्डर, बिक्री मूल्य और कर्मचारी स्तर में से पांच में पिछले वर्ष की तुलना में सुधार हुआ। राज्य सूची के स्तर में पिछली तिमाही की तुलना में 2.0 प्रतिशत की गिरावट हुई।

VII.4 जून 2009 के दौरान हेडलाइन मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआइ 55.3 थी, जो 50.0 के तटस्थ मार्क के ऊपर थी जिससे लंबे समय के संकुचन के पश्चात सीधे तीसरे महीने में विनिर्माण में सुधार का पता चलता है। जून 2009 के दौरान उत्पादन, नये ऑर्डर और विनिर्माण बेरोजगार में वृद्धि हुई।

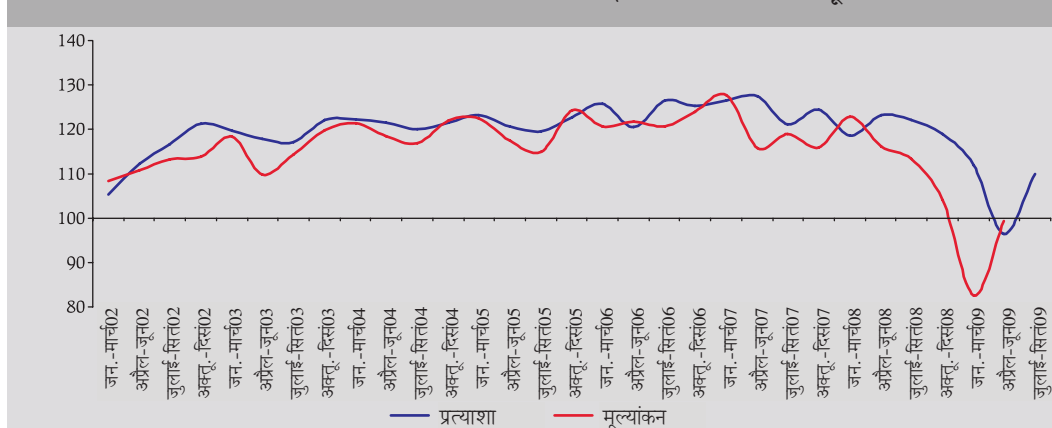
रिज़र्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण

VII.5 अप्रैल 2009 में रिज़र्व बैंक द्वारा किये गये औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण से भी कारोबार भाव में भारी वृद्धि का पता चलता है। निजी क्षेत्र में विनिर्माण कंपनियों के लिए, "अप्रैल-जून 2009 के लिए मूल्यांकन" पर और "जुलाई-सितंबर 2009 के लिए प्रत्याशाओं" पर आधारित कारोबार प्रत्याशा सूचकांक में पिछली तिमाही की तुलना में, जब इन सूचकांकों में सर्वेक्षण की शुरुआत से निम्नतम स्तर तक गिरावट आई थी, क्रमशः 20.3 और 14.0 प्रतिशत का तीव्र सुधार हुआ (चार्ट 38)।

सारणी 56 : कारोबार प्रत्याशा सर्वेक्षण

संगठन	कारोबार प्रत्याशा		एक वर्ष पूर्व की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)	पिछले दौर की तुलना में वृद्धि (प्रतिशत)
	अवधि	सूचकांक		
1	2	3	4	5
एनसीईआर	अप्रैल 2009	कारोबार विश्वास सूचकांक	-45.1	-10.7
सीआइआइ	अप्रैल-सितंबर 2009	कारोबार विश्वास सूचकांक	-3.8	4.3
डन एंड ब्रैडस्ट्रीट	जुलाई-सितंबर 2009	कारोबार उत्साह सूचकांक	-3.3	40.8

चार्ट 38 : रिजर्व बैंक का औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण - कारोबार प्रत्याशा सूचकांक



VII.6 उत्पादन, ऑर्डर बुक की स्थिति, क्षमता उपयोग और वित्तीय स्थिति जैसे अधिकांश संकेतकों में भाव में आई कमी को रोका गया है और प्रतिकूल बनाया गया है। मूल्य प्रत्याशाओं से पता चलता है कि पिछली तिमाही की तुलना में और कंपनियां निविष्टि और उत्पादन मूल्यों में वृद्धि की आशा कर रही हैं। कच्चे माल की लागत संभावना जटिल प्रतीत हो रही है, क्योंकि 40.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कच्चे माल के मूल्य में वृद्धि सूचित की थी जबकि पिछले वर्ष यह 37.2 प्रतिशत थी। इसके अलावा, मूल्य वृद्धि की आशा रखने वाली कंपनियों का हिस्सा भी बढ़कर 35.8 प्रतिशत हो गया। पिछले सर्वेक्षण दौर की तुलना में मूल्यांकन और प्रत्याशा दोनों के लिए बिक्री मूल्य (अर्थात् बिक्री मूल्य में वृद्धि) हेतु इष्टतम स्तर में सुधार हुआ ऐसा मुख्य रूप से 'बिक्री मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं' के अनुपात में वृद्धि के कारण था (सारणी 57)।

VII.7 उद्योग-वार विभाजन से पता चलता है कि सैपल कंपनियों के लिए 'समग्र कारोबार स्थिति' के निवल भाव में, अप्रैल-जून 2009 की तिमाही के इसके निम्नतम स्तर से, तीव्र सुधार हुआ। उर्वरक, खाद्य उत्पाद और

फार्मास्यूटिकल जैसे उद्योग समूह में धनात्मक भाव दिखे, जिसमें संकुचन की आशा करने वाली कंपनियों की तुलना में वृद्धि की आशा करने वाली कंपनियां अधिक थीं। जुलाई-सितंबर 2009 के लिए रोजगार की प्रत्याशाओं से पता चलता है कि विनिर्माण क्षेत्र सही-सही नियोजन करेगा। अप्रैल-जून 2009 के कारोबार विश्वास सूचकांक (बीईआइ) में पिछली तिमाही की तुलना में सुधार हुआ जिससे पता चलता है कि संकुचन का मूल्यांकन काफी दर पर कम किया गया है। जुलाई-सितंबर 2009 के बीईआइ में भी भारी सुधार हुआ और वह वृद्धि क्षेत्र में 100 के महत्वपूर्ण अंक को पार गया।

पेशेवर पूर्वानुमानकर्ता¹

VII.8 जून 2009 में रिजर्व द्वारा किये गये पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं के सर्वेक्षण के आठवें दौर के परिणामों ने 2009-10 के लिए समग्र वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत पर

¹ रिजर्व बैंक द्वारा सितंबर 2007 को समाप्त तिमाही से शुरू किया गया। इस खंड में किये गये अनुमान पेशेवर अनुमानकर्ताओं के हैं और ये रिजर्व बैंक के नहीं हैं।

**सारणी 57 : रिज़र्व बैंक का सर्वेक्षण - औद्योगिक निष्पादन के बारे में 'अगली तिमाही'
की प्रत्याशाओं पर निवल प्रतिसाद**

मानदंड	प्रतिसाद	अप्रैल-जून 2008	जुलाई-सितं. 2008	अक्टू.-दिसं. 2008	जून-मार्च 2009	अप्रैल-जून 2009	जुलाई-सितं. 2009
1	2	3	4	5	6	7	8
1. समग्र कारोबारी स्थिति	बेहतर	46.0 (42.7)	41.8 (42.6)	33.7 (44.1)	21.1 (43.9)	11.2 (47.6)	24.2 (46.7)
2. वित्तीय स्थिति	बेहतर	36.6 (51.6)	32.7 (53.0)	27.7 (52.5)	16.4 (53.2)	8.4 (52.7)	20.0 (54.4)
3. कार्यशील पूंजी वित्त आवश्यकता	वृद्धि	36.6 (56.5)	33.6 (57.3)	33.8 (57.7)	32.9 (57.1)	23.2 (61.0)	26.3 (61.7)
4. वित्त की उपलब्धता	सुधार	32.3 (58.3)	30.2 (57.9)	23.3 (59.0)	13.7 (56.3)	9.3 (61.7)	16.6 (62.6)
5. उत्पादन	वृद्धि	45.2 (41.0)	43.5 (36.6)	39.8 (42.1)	26.0 (42.3)	9.9 (44.9)	22.4 (45.5)
6. आर्डर बुक	वृद्धि	41.5 (44.3)	38.5 (43.5)	35.7 (46.1)	20.6 (46.1)	6.4 (44.4)	16.8 (45.8)
7. लंबित आदेश, यदि लागू हो	सामान्य से कम	-4.3 (81.3)	2.2 (80.9)	4.6 (82.0)	11.5 (77.8)	23.2 (59.4)	19.1 (73.4)
8. कच्चे माल की लागत	कमी	-48.2 (46.0)	-54.7 (39.1)	-61.1 (32.3)	-35.7 (39.7)	-16.2 (33.7)	-27.1 (55.5)
9. कच्चे माल का भंडार	औसत से कम	-7.0 (83.2)	-3.8 (81.8)	-7.6 (77.6)	-3.3 (81.3)	1.1 (80.2)	-0.5 (82.7)
10. तैयार वस्तुओं का भंडार	औसत से कम	-5.8 (84.5)	-1.5 (84.5)	-4.3 (82.6)	-4.4 (80.9)	-4.4 (78.4)	-1.8 (80.6)
11. क्षमता का उपयोग (मुख्य उत्पाद)	वृद्धि	25.6 (59.9)	22.2 (58.8)	26.4 (56.0)	12.3 (59.1)	-0.7 (55.0)	10.7 (57.5)
12. क्षमता के उपयोग का स्तर (पूर्ववर्ती चार तिमाहियों के औसत को तुलना में)	सामान्य से अधिक	9.4 (77.0)	3.6 (74.9)	-0.5 (78.7)	-7.4 (73.7)	-20.8 (66.4)	-12.1 (70.8)
13. उत्पादन क्षमता का मूल्यांकन (अगले छह महीनों में अपेक्षित मांग के संदर्भ में)	पर्याप्त से अधिक	8.0 (81.2)	4.6 (81.3)	5.7 (81.7)	11.8 (81.0)	8.9 (70.7)	5.5 (76.9)
14. कंपनी में रोजगार	वृद्धि	20.8 (68.2)	15.8 (71.5)	16.6 (70.4)	7.7 (75.7)	-5.1 (74.0)	1.5 (78.6)
15. निर्यात, यदि लागू हो	वृद्धि	27.7 (53.3)	27.7 (54.9)	27.3 (54.3)	16.0 (54.8)	-3.8 (57.3)	0.1 (59.0)
16. आयात, यदि कोई हो	वृद्धि	25.3 (65.6)	21.3 (66.5)	21.4 (67.9)	9.1 (69.7)	-1.4 (68.8)	4.6 (70.6)
17. बिक्री मूल्य संबंधी अनुमान	वृद्धि	19.1 (66.0)	21.0 (61.5)	26.2 (57.6)	4.1 (61.7)	-9.1 (61.9)	0.0 (65.6)
18. यदि बिक्री मूल्य में वृद्धि अनुमानित हो	कम दर पर वृद्धि	9.0 (64.0)	3.0 (61.3)	0.6 (54.7)	0.9 (54.0)	25.9 (53.5)	-100.0 (0.0)
19. लाभ मार्जिन	वृद्धि	7.2 (61.0)	3.8 (59.8)	-3.6 (54.7)	-12.9 (53.3)	-18.6 (50.6)	-13.4 (54.5)

टिप्पणी : 1. 'निवल प्रतिसाद' की गणना 'आशावादी' (सकारात्मक) और 'निराशावादी' (नकारात्मक) सूचना देनेवाली कंपनियों के बीच होनेवाले प्रतिशत अंश अंतर के अनुसार की गई है; यथापूर्व स्थिति (कोई परिवर्तन नहीं) के रूप में दी गई सूचना को ध्यान में नहीं लिया गया है। उच्चतर 'निवल प्रतिसाद' विश्वास के उच्चतर स्तर और विपरीत उसके विपरीत स्थिति को दर्शाता है।
2. कोष्ठकों के आंकड़े 'पिछली तिमाही की तुलना में परिवर्तन नहीं' उत्तर देनेवाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत हैं।

रखा है जिसे पूर्व सर्वेक्षण में 5.7 प्रतिशत से ऊपर संशोधित किया गया था (सारणी 58)। इस क्षेत्र के लिए सेक्टरल वृद्धि दर अनुमान को नीचे की ओर संशोधित कर 3 प्रतिशत

से 2.5 प्रतिशत किया गया। वर्तमान सर्वेक्षण में उद्योग के लिए पूर्वानुमानों को ऊपर की ओर संशोधित कर 4.1 प्रतिशत से 4.8 प्रतिशत और सेवाओं के लिए पूर्वानुमानों

मौद्रिक नीति वक्तव्य
2009-10

समष्टि आर्थिक और मौद्रिक
गतिविधियां पहली तिमाही
समीक्षा 2009-10

सारणी 58: पेशेवर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा चुनिंदा समष्टि आर्थिक संकेतकों का माध्यिका पूर्वानुमान : 2009-10 और 2010-11																
1	2	वास्तविक 2008-09	वार्षिक पूर्वानुमान				तिमाही पूर्वानुमान									
			2009-10		2010-11		2009-10								2010-11	
			ई	एल	ई	एल	ति1		ति2		ति3		ति4		ति1	
							ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल	ई	एल
3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17		
1.	कारक लागत पर वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर (प्रतिशत में)	6.7	5.7	6.5	-	7.5	5.3	6.0	5.6	6.2	6.2	6.9	6.5	7.1	-	7.5
	क. कृषि और संबद्ध गतिविधियां	1.6	3.0	2.5	-	3.0	3.0	2.8	2.5	2.4	3.0	3.5	3.0	3.0	-	3.0
	ख. उद्योग	2.6	4.1	4.8	-	7.4	2.1	2.8	3.0	3.5	5.3	5.9	5.9	7.2	-	7.0
	ग. सेवाएं	9.4	7.5	8.3	-	9.0	7.3	8.1	7.4	8.0	7.5	8.5	8.2	8.5	-	8.8
2.	सकल घरेलू बचत (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	-	34.6	35.0	-	36.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.	सकल घरेलू पूंजी निर्माण (वर्तमान बाजार मूल्य पर जीडीपी का प्रतिशत)	-	35.4	36.6	-	37.9	36.2	34.5	34.5	36.4	34.1	38.0	33.8	37.0	-	36.2
4.	करोत्तर कारपोरेट लाभ (वृद्धि दर प्रतिशत में)*	-	9.0	7.5	-	15.0	-2.5	-1.0	2.0	3.0	16.5	8.0	12.5	9.0	-	15.0
5.	डब्ल्यू पी आइ मुद्रास्फीति	8.4	1.8	1.6	-	5.5	-1.4	0.3#	-2.5	-1.4	1.6	2.5	4.8	5.4	-	5.9
6.	विनिमय दर (अवधि के अंत में रुपया / अमरीकी डालर)	51.0	48.0	46.5	-	44.5	50.0	47.9#	49.0	47.5	48.0	47.0	47.0	46.0	-	45.4
7.	91 दिवसीय खजाना बिल आय (प्रतिशत - अवधि के अंत में)	7.1	5.0	4.6	-	5.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8.	10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूति आय (प्रतिशत- अवधि के अंत में)	7.6	6.5	7.0	-	7.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9.	निर्यात (वृद्धि दर प्रतिशत में)@	5.4	-4.0	-0.5	-	12.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10.	आयात (वृद्धि दर प्रतिशत में)@	14.3	-8.4	-3.5	-	14.0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11.	व्यापार शेष (बिलियन अमरीकी डालर)	-119.4	-	-	-	-	-25.0	-19.0	-27.0	-25.8	-27.1	-31.0	-28.0	-19.9	-	-29.3

ई : पूर्व अनुमान
- : उपलब्ध नहीं
टिप्पणी: नवीनतम दौर से तात्पर्य जून 2009 को समाप्त तिमाही के लिए छोटे दौर से है, जबकि पूर्व के दौर से तात्पर्य मार्च 2009 को समाप्त तिमाही के लिए सातवें दौर से है।
स्रोत : सर्वे ऑफ प्रोफेशनल फोरकास्टर्स, पहली तिमाही 2009-10।

एल: ताजा अनुमान
: वास्तविक
* : बीएसई सूचीबद्ध कंपनियों
@ : वोओपी पर आधारित अमरीकी डालर

को 7.5 प्रतिशत से 8.3 प्रतिशत किया गया। 2009-10 की विभिन्न तिमाहियों के लिए माध्य पूर्वानुमानों ने 2009-

10 की तीसरी और चौथाई तिमाही में उद्योग और सेवाओं के लिए वृद्धि को उच्च दर पर रखा।

सारणी 59 : विभिन्न एजेंसियों द्वारा भारत में वास्तविक जीडीपी का अनुमान - 2009-10

एजेंसी	नवीनतम अनुमान				अनुमान का महीना	पिछला अनुमान	
	समग्र वृद्धि	कृषि	उद्योग	सेवा		समग्र वृद्धि (प्रतिशत)	महीना
1	2	3	4	5	6	7	8
एडीबी	5.0	-	-	-	मार्च-09	7.0	दिसंबर-08
सीएमआई	5.8	-2.0	5.7	8.2	जुलाई-09	6.6	मई
प्र.मं. की आर्थिक परामर्शदात्री परिषद	7.0-7.5	-	-	-	जनवरी-09	-	-
आईसीआरआईआर	4.8-5.5	-	-	-	मार्च-09	-	-
आइएमएफ (कैलेंडर वर्ष)	5.4	-	-	-	जुलाई-09	4.5	अप्रैल-09
एनसीआईआर	6.5-6.9	2.5	6.0-6.3	7.9-8.5	अप्रैल-09	-	-
ओईसीडी	5.9	-	-	-	जून-09	4.3	मार्च-09
विश्व बैंक	5.1	-	-	-	जून-09	4.0	मार्च-09
दाघरा	4.8-7.5	-2.0-2.5	5.7-6.3	7.9-8.5		4.0-7.0	

VII.9 भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि के लिए चुनिंदा एजेंसियों के पूर्वानुमान सारणी 59 में दिये गये हैं। आइएमएफ (8 जुलाई 2009) द्वारा 2009 में भारत की वृद्धि के अनुमान में अप्रैल 2009 के 4.5 प्रतिशत से जुलाई 2009 में 5.4 प्रतिशत अर्थात् काफी अधिक ऊर्ध्वगामी संशोधन किया गया।

मुद्रास्फीति और संभावना

VII.10 उर्ध्वगामी संभावना और निम्नगामी संभावना दोनों के संदर्भ में वृद्धि के लिए संभावना का मूल्यांकन करना होगा। वर्ष 2009 के लिए उपलब्ध कुछ प्रमुख सूचनाओं में, जो वृद्धि में सुधार की ओर संकेत करती हैं, शामिल हैं; (क) अप्रैल-मई 2009 के दौरान आइआईपी वृद्धि धनात्मक बनी रही, साथ ही उद्योग समूह की बढ़ती संख्या में सकारात्मक रुझान दिखे, (ख) अप्रैल-जून 2009 में मूल इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में 4.8 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दिखी जबकि पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि में यह 3.5 प्रतिशत थी। (ग) सीमेंट उत्पादन में पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि

की तुलना में अप्रैल-जून 2009 के दौरान काफी अधिक उच्च वृद्धि दिखी, जिससे निर्माण क्षेत्र में गतिविधियों के तेज होने का पता चलता है। (घ) जून 2009 में पर्यटक आगमन और रेलवे भाड़ा अर्जन जैसी सेवा क्षेत्र की गतिविधियों के कतिपय भावी संकेतकों में सुधार हुआ तथा अप्रैल-मई 2009 के दौरान सुधार को दर्शाते हुए नये सेल फोन के कनेक्शनों में वृद्धि हुई जो पिछले वर्ष की तदनु रूप अवधि की संख्या की तुलना में काफी अधिक थे। (ङ) कुल मांग को बढ़ाने के लिए बड़े-बड़े और निरंतर राजकोषीय प्रोत्साहन (च) अप्रैल-मई 2009 में रिजर्व बैंक द्वारा किये गये औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण से पता चलता है कि उत्तरदाताओं के “अप्रैल-जून 2009 के मूल्यांकन” और “जुलाई-सितंबर 2009 की प्रत्याशाओं” में जनवरी-मार्च 2009 के दौरान पिछले सर्वेक्षण की तुलना में काफी अधिक अर्थात् क्रमशः 20.3 प्रतिशत और 14.0 प्रतिशत सुधार हुआ। (छ) रिजर्व बैंक द्वारा जून 2009 में किये गये पेशेवर पूर्वानुमानकर्ता सर्वेक्षण में 2009-10 के

लिए 6.5 प्रतिशत की माध्य जीडीपी वृद्धि दिखी जबकि मार्च 2009 में किये गये पूर्व सर्वेक्षण में यह 5.7 प्रतिशत थी। (ज) जून 2009 की शुरुआत से खाद्येतर ऋणवृद्धि ऋणात्मक हो गयी और ऋण वृद्धि की वर्ष-दर-वर्ष गिरावट में जून 2009 के अंतिम पखवाड़े से विपर्यय स्थिति दिखी (झ) 2008-09 की दूसरी छमाही के निवल बहिर्वाह की दो लगातार तिमाहियों के पश्चात पूंजी प्रवाह में 2009-10 की पहली तिमाही में सुधार के चिह्न दिखे। (ञ) 2009-10 की पहली तिमाही की कंपनी निष्पादन संबंधी पूर्व सूचनाओं में पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि की तुलना में बिक्री और लाभ दोनों में सकारात्मक वृद्धि के संकेत मिले। (ट) 2009-10 की पहली तिमाही में शेयर बाजार में काफी अधिक सुधार दिखा जो निवेशकों के जोखिम लेने की इच्छा में बढ़ोतरी की ओर संकेत करता है (ठ) पूंजी बाजार का प्राथमिक खंड, जो अक्टूबर 2008 से वास्तव में शुष्क हो गया था, में पुनर्सुधार के संकेत मिले जब एक सार्वजनिक निर्गम में कई गुना अंशदान प्राप्त हुआ।

VII.11 फिर भी, कई प्रमुख संकेतकों से पता चलता है कि धीमी वृद्धि जारी रहेगी जिसमें शामिल हैं: (क) देश के कुछ हिस्सों में मानसून काफी अधिक देरी से आया, इसने पहले ही खरीफ की बुवाई को प्रभावित किया है, (ख) वैश्विक मंदी का जारी रहना और अल्पावधि में निर्यात वृद्धि में सुधार की कमजोर संभावनाएं (ग) 2009-10 के प्रारंभ में सेवाओं की मांग संबंधी 2009-10 की चौथी तिमाही की विनिर्माण वृद्धि में गिरावट का विलंबित प्रभाव, (घ) अप्रैल-मई 2009 के दौरान आइआइपी के पूंजीगत माल खंड में ऋणात्मक वृद्धि दिखी, (ङ) अप्रैल-मई 2009 के दौरान वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन में 23.1 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि हुई, (च) तेल से इतर आयात वृद्धि त्वरित गति से कम हुई।

VII.12 मुद्रास्फीति की संभावना पर, जबकि कुछ संकेतकों से पता चलता है कि मुद्रास्फीति बढ़ेगी, अन्य गतिविधियां मुद्रास्फीति दबावों को कम करने में भी मदद करेंगी। वर्तमान राजकोषीय वर्ष के अंत तक मुद्रास्फीति में बढ़त के संकेत देने वाली प्रमुख सूचनाओं में शामिल हैं: (क) उच्च आधार प्रभाव, जिसका परिणाम खाद्य और अंतरराष्ट्रीय पण्यों के मूल्यों में काफी अधिक वृद्धि के रूप में हुआ, कम हो रहा है, और आधार प्रभाव अक्टूबर 2009 तक पूरी तरह खत्म हो गया, (ख) मार्च 2009 के अंत की तुलना में बढ़ते डब्ल्यूपीआइ से मुद्रास्फीति में ऊपर बढ़ने की गति देखी गयी, (ग) 2009-10 की पहली तिमाही के दौरान पण्य मूल्यों, विशेषरूप से तेल मूल्यों में वृद्धि और वैश्विक स्थिति में सुधार के कारण पण्यों तथा खाद्य मूल्यों के और बढ़ने की संभावना, (घ) न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि और खाद्य मूल्यों पर मौसम की देरी से पड़ने वाले संभावित दबाव, (ङ) चीनी और खली के मूल्य दबाव सुदृढ़ बने रहे, (च) सीपीआइ मुद्रास्फीति लोचहीन और दृढ़ बनी रही, (छ) डब्ल्यूपीआइ में तीव्र गिरावट के प्रतिसाद में मुद्रास्फीति दशाओं में समानुपात रूप से कमी नहीं होना, और (ज) राजकोषीय प्रोत्साहन और समायोजी मौद्रिक नीति के मुद्रास्फीति प्रभाव, यदि उन्हें लंबे समय तक जारी रखा जाए।

VII.13 मुद्रास्फीति दबाव कम हो सकते हैं यदि: (क) वैश्विक मंदी गहराती है और लंबे समय तक जारी रहती है तो यह पण्य मूल्यों को काफी अधिक कम कर सकती है, (ख) मानसून के विलंबित आगमन के बावजूद, कृषि वृद्धि अप्रभावित बनी रहती है, (ग) एमएसपी सहित प्रशासित मूल्य वर्ष के दौरान और नहीं बढ़ें और समायोजी मौद्रिक रुझान शीघ्रता से सामान्य स्तर पर न लौट आएं।